आज़ादी का अमृत महोत्सव

संभव अभियान

पोषण संवर्धन की ओर एक कदम

POSHAN Abhiyaan
PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment
सही पोषण – देश रोशन

कुपोषित बच्चे की पहचान (आई.सी.डी.एस. द्वारा)

पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों का वज़न एवं लम्बाई /ऊंचाई लेना

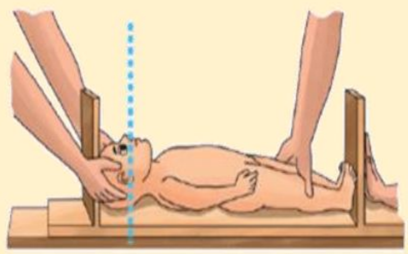

(वज़न दिवस / वज़न अभियान)

बच्चों में कुपोषण की अवस्थायें

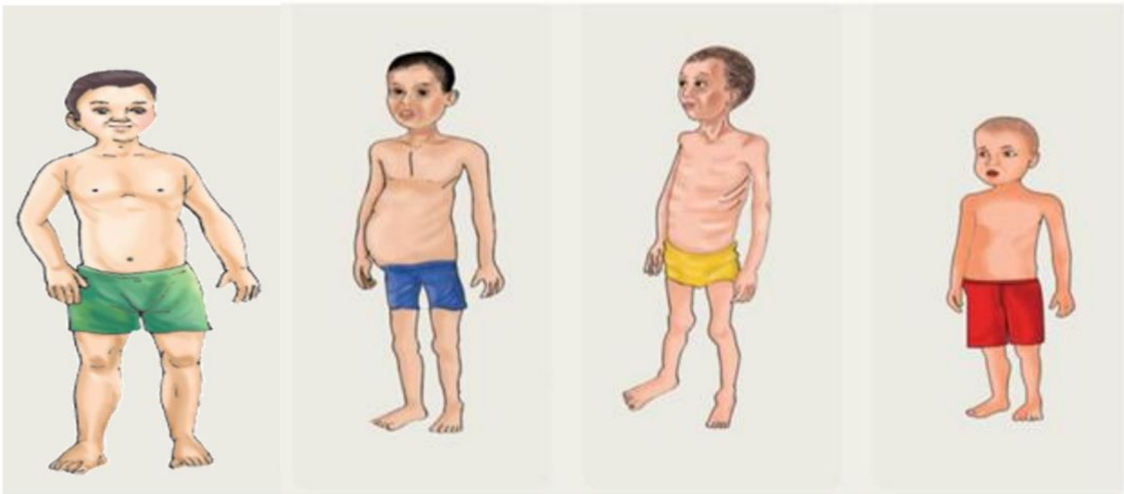

सामान्य

वज़न आयु के सापेक्ष (अंडरवेट अथवा अल्पवजन)

वज़न लम्बाई / ऊंचाई के सापेक्ष – मैम (मॉडरेट) एवं सैम

लम्बाई / ऊंचाई उम्र के सापेक्ष (स्टंटिंग) नाटापन

सैम बच्चों की पहचान

- मांस पेशियों का सूखापन
- शरीर में फैट की कमी होना
- पैरों में सूजन

कुपोषण से बचाव व प्रबंधन– मुख्य सेवायें

कुपोषण की समय से पहचान

स्वास्थ्य जांच

आवश्यकतानुसार संदर्भन

फॉलोअप

गृह आधारित देखभाल

जानकारी संग जागरूकता तथा व्यवहार परिवर्तन

सुविधाओं की उपलब्धता–शौचालय राशन कार्ड,जॉब कार्ड

सही और संतुलित भोजन पर परामर्श तथा पोषाहार

संसाधन–पोषण वाटिका

1 आई0सी0डी0एस0 द्वारा पोषण श्रेणी का निर्धारण

सामान्य

- अल्पवजन **(उम्र के सापेक्ष वज़न)** एवं
- सैम / मैम **(लम्बाई/ऊंचाई के सापेक्ष वज़न)**

2 **चिकित्सीय प्रबंधन**
(स्वास्थ्य विभाग द्वारा)

वी.एच.एन.डी. पर ए.एन.एम. द्वारा चिकित्सीय जांच
सभी गंभीर अल्पवजन एवं सैम/मैम

सैम
चिकित्सीय प्रबंधन

बीमारी के लक्षण / भूख नहीं
ए.एन.एम. द्वारा पोषण पुनर्वास केंद्र पर चिकित्सीय प्रबंधन के लिए संदर्भन

कोई बिमारी नहीं /अच्छी भूख
वी.एच.एन.डी. पर ए.एन.एम. द्वारा दवा

सैम

सभी जन्म के समय कम वजन, मैम व गंभीर अल्पवजन को सतत् फालोअप में रखना है जिससे उनको सैम की श्रेणी में जाने से बचाया जा सके

स्वास्थ्य विभाग

अभियान के दौरान

1. स्वास्थ्य जांच

2. आवश्यक दवाइयां

3. जटिलता वाले केस का संदर्भन

4. समुदाय आधारित फालोअप

छः दवाइंया

एन्टीबायोटिक्स
आयरन सिरप
विटामिन ए
कीड़े की गोली
फोलिक एसिड
मल्टीविटामिन्स

संभव अभियान – पृष्ठभूमि

- **वर्ष 2021** में पहली बार अभियान की शुरुआत
- अभियान का **मुख्य उद्देश्य** – गंभीर कुपोषित बच्चों की **पहचान, स्वास्थ्य जांच, संदर्भन एवं पोषण प्रबंधन**
- अभियान की **अवधि – जुलाई से सितम्बर** में होने वाले पोषण माह के दौरान समापन (कुपोषण एवं बिमारियों की संभावना इन तीन महीनों में अधिक होती है।)
- अभियान के पहले वर्ष में मुख्यतः **आई0सी0डी0एस व स्वास्थ्य विभाग** जुड़े थे।

संभव अभियान (2021) – रूपरेखा

- **तीन माह** का सघन अभियान
- जून में **वजन अभियान** कर बेसलाइन का निर्धारण
- प्रदेशव्यापी **प्रशिक्षण**
- कुपोषण के कारकों पर प्रचार हेतु प्रत्येक माह कुछ चयनित व्यवहारों पर **सघन प्रचार–प्रसार**
- गंभीर कुपोषित बच्चों के घर **साप्ताहिक गृह भ्रमण**
- ट्रिपल ए– ए0एन0एम, आशा व आंगनबाडी कार्यकत्री के समन्वय से **जांच, संदर्भन व गृह आधारित देखभाल**
- सितम्बर में **वजन सप्ताह** का **पुनः आयोजन**

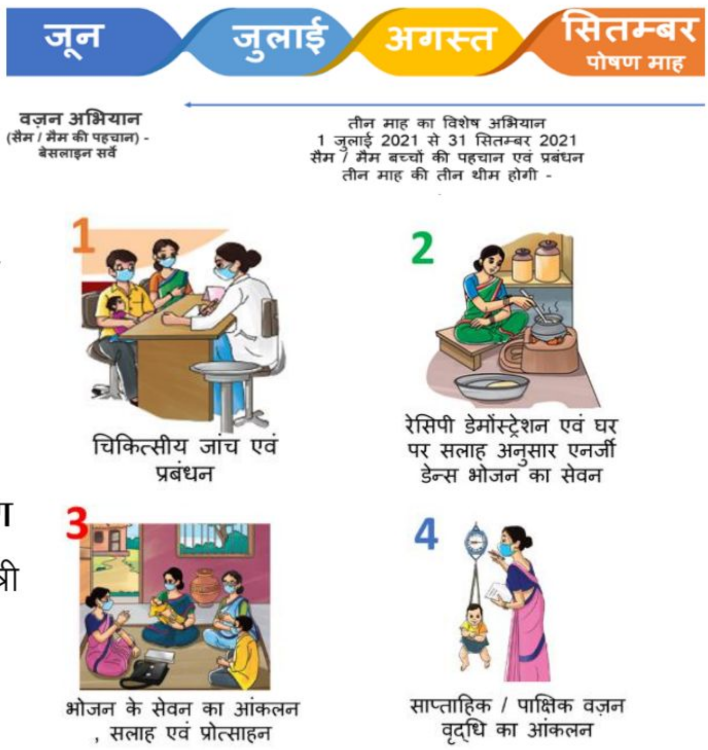

संभव अभियान (2021) – रणनीति के मुख्य स्तम्भ

सैम बच्चों की समुदाय आधारित देखभाल के दिशानिर्देश

राज्य, जनपद व ब्लॉक स्तरीय संवेदीकरण

संसाधन की उपलब्धता ग्रोथ मानिटरिंग डिवाइस के साथ साथ पोषण टेबल

पोषण व स्वास्थ्य जांच हेतु स्क्रीनिग

वृहद संचार

विभागीय व सहयोगी संस्थानों के साथ अनुश्रवण

संभव अभियान (2021) – सार्थक परिणाम

नये प्राप्त कराये गये ग्रोथ मानिटरिंग उपकरणों के प्रयोग में कार्यकत्रियों की क्षमता में वृद्धि

विभिन्न पोषण श्रेणी –सैम, मैम ,स्टंटिग व अल्पवजन के मध्य अन्तर की समझ में वृद्धि

पोषण ट्रैकर के प्रयोग में बढोत्तरी

स्वास्थ्य व आई0सी0डी0एस0 विभाग के मध्य सामंजस्य से कुपोषित बच्चों के उपचार व संदर्भन की दरों में वृद्धि

सैम/मैम बच्चों की समुदाय आधारित देखभाल पर पहली बार प्रदेशव्यापी कार्य किया गया।

31% identified SAM cases referred to CHC/NRC by end of campaign

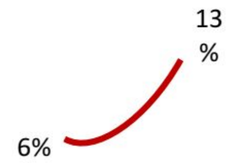

Identification & Referral of SAM/MAM

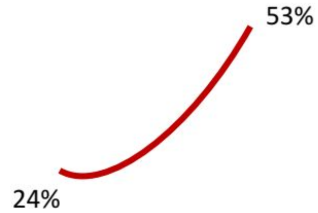

4 home visits by AWWs (Jun Vs Sept)

क्रियान्वयन बिन्दु जिनमें सुधार की आवश्यकता

सही पहचान व चिन्हांकन में और सुधार की आवश्यकता

सैम/मैम व गंभीर अल्पवजन बच्चो की स्वास्थ्य जांच हेतु ग्राम स्वास्थ्य पोषण सत्रों पर मोबिलाइजेशन में गतिशीलता की आवश्यकता

सैम बच्चों की स्वास्थ्य जांच के प्रोटोकॉल की जानकारी तथा उसके उपयोग में कमी

भ्रमण एवं सामुदायिक सत्रों की गुणवत्ता बढ़ने पर क्षमता वर्धन की आवश्यकता

कुपोषण से बचाव में अन्य विभागों की प्रतिभागिता की आवश्यकता

संभव
2022

उद्देश्य

- अभियान के अंतर्गत पांच वर्ष से कम आयु के **कुपोषण से ग्रसित बच्चों की समय से पहचान** करते हुये उनका आवश्यकतानुसार **प्रबंधन** सुनिश्चित कराना।
- **अंतर्विभागीय समन्वय** स्थापित करते हुए कुपोषित बच्चों के परिवारों को Nutrition-specific तथा nutrition-sensitive interventions का लाभ पहुँचाना।
- **वृहद संचार रणनीति** के अधीन जन समुदाय में पोषण साक्षरता एवं जागरूकता बढ़ाना।

आजादी के अमृत महोत्सव में गांव, पंचायत , ब्लॉक , जनपद तथा प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाने का प्रदेश का संकल्प

अभियान के मुख्य लक्षित समूह

जन्म के समय कम वजन के बच्चे
(Low Birth Weight)

सैम
(Severe Acute Malnutrition)

मैम
(Moderate acute malnutrition)

गंभीर अल्प वजन
(Severe underweight)